मुंबई, कोलकाता, चेन्नई, दिल्ली, ठाणे, पालघर, राजस्थान, लखनऊ, इलाहाबाद, वाराणसी, जौनपुर, भदोही, रायबरेली, प्रतापगढ़, आजमगढ़, अहमदाबाद, मेरठ में वितरित

राष्ट्रीय हिंदी साप्ताहिक

मेट्रो दिनांक

महाराष्ट्र सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त
संपादक- दीनानाथ एम. तिवारी
Website : www.metrodinank.com
Email : metrodinank@gmail.com
RNI No. : MAHHIN/2009/35355 POST REGD.NO : MH/MR/NW-143/2018-20
वर्ष : ०९ अंक :४३ मुंबई, शुक्रवार, ०९ अगस्त से १५ अगस्त २०१९ पृष्ठ : ४ कीमत : दो रुपये

महाराष्ट्र में बाढ़ का कहर

अब तक 30 मौतें, एक लाख हेक्टयेर खेती बर्बाद

मुंबई : महाराष्ट्र में भारी बारिश और बाढ़ ने आम लोगों को झकझोर कर रख दिया है। अब तक 30 लोगों की मौत हो चुकी है। खासकर पश्चिम महाराष्ट्र में भयावह बाढ़ से 329 गांवों पर बहुत बुरा असर पड़ा है। करीब एक लाख हेक्टयेर खेती बर्बाद हो गई है। बचाव कार्य में एनडीआरएफ की कुल 21 टीमें लगी हुई हैं। कोल्हापुर में डोनियर एयरक्राफ्ट से लोगों को शिफ्ट किया गया। बाढ़ प्रभावित इलाकों में स्वास्थ्य विभाग की 70 टीमें तैनात की गई है। राज्य के मुख्य सचिव अजोय मेहता ने 2,52,813 लोगों को बाढ़ से बचाने का दावा किया है। बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए सरकार ने 154 करोड़ रुपये का आवंटन किया है। अजोय मेहता ने मीडिया को बताया कि कोल्हापुर, सांगली और सातारा में बाढ़ से प्रभावित लोगों की हरसंभव मदद की जा रही है। बाढ़ से पानी उतरने के बाद नई चुनौती सामने आएंगी। ग्रामीण क्षेत्रों में प्रति परिवार 10 हजार रुपये और शहरी क्षेत्रों में प्रति परिवार 15 हजार रुपये दिए जाएंगे। लोगों को पैसे देने के लिए जिला अधिकारियों को 154 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है। मुख्य सचिव ने कहा कि बाढ़ प्रभावित इलाकों में लोगों को 10-10 किलो चावल और गेहूं देने की मंजूरी दी है। इस संबंध में जारी शासन निर्णय (जीआर) के सवाल पर मेहता ने कहा कि सन 2008 में जारी जीआर में सात दिन का प्रावधान था। 2017 में इसे दो दिन किया गया। यह एक नॉर्म्स का एक भाग है। चूंकि सांगली, सातारा और कोल्हापुर में दो दिन से अधिक पानी जमा हुआ है, ऐसे में कोई भी मदद से वंचित नहीं रहेगा।

अभी तक राज्य में कुल 1007 मिलीमीटर बारिश हुई है। पिछले 4 अगस्त से कोल्हापुर में 124 प्रतिशत, सांगली में 223 प्रतिशत और सातारा में 181 प्रतिशत बारिश हुई है। यह सवा दो गुनी बारिश है। बचाव कार्य में एनडीआरएफ की कुल 21 टीमें लगी हुई हैं जिसमें कोल्हापुर में 6 और सांगली में 16 टीमें लगाई गई है। एनडीआरएफ की एक टीम में कुल 40 लोग होते हैं।

ओडिशा और पंजाब के भटिंडा से एनडीआरएफ की 5-5 टीम को एयरलिफ्ट किया गया है। गुजरात से 3 टीम भी प्रभावित इलाकों में पहुंची है। एसडीआरएफ की 2 टीम कार्यरत है। इसके अलावा नेवी की 14 टीम तैनात है। उनके पास बड़ी-बड़ी बोट है, जिनके जरिए राहत और बचाव कार्य जारी है।

बाढ़ प्रभावितों को मदद की शर्तों से फडणवीस सरकार की किरकिरी

मुंबई : महाराष्ट्र में बाढ़ ने जमकर तबाही मचाई है और अब तक 30 लोगों की मौत हो चुकी है। 2.03 लाख से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। इस बीच बाढ़ को लेकर एक सरकारी आदेश और जल संसाधन मंत्री गिरीश महाजन सेल्फी पर फडणवीस सरकार की किरकिरी हो रही है। इस आदेश में कहा गया कि उन इलाकों में लोगों को आर्थिक सहायता दी जाएगी, जो क्षेत्र दो दिन से अधिक समय से बाढ़ के पानी में डूबे रहे हैं। इस मामले में सरकार पर निशाना साधते हुए विपक्षी कांग्रेस ने इस आदेश को तत्काल रद्द करने की मांग की। दरअसल, गुरुवार को राज्य सरकार ने एक सरकारी आदेश जारी कर कहा कि जिस इलाके में दो दिन से अधिक समय तक पानी रहा है और घर पूरी तरह बह गया है, ऐसे मामलों में आर्थिक सहायता दी जाएगी। चार शहरी इलाकों में, प्रति परिवार सहायता राशि कपड़ों के लिए 7,500 रुपये होगी और घरेलू सामान के लिए भी इतनी ही राशि दी जाएगी, जबकि ग्रामीण इलाकों में कपड़ों के लिए पांच हजार और घरेलू सामान के लिए भी इतनी ही राशि दी जाएगी। सात अगस्त को जारी एक अन्य आदेश में कहा गया है कि जो क्षेत्र बाढ़ के पानी में दो दिन से अधिक समय तक डूबा रहा है, वहां रहने वाले प्रत्येक परिवार को दस किलो चावल और दस किलो गेंहू दिया जाएगा।

विपक्ष ने बताया क्रूर मजाक

सरकार के इस आदेश पर महाराष्ट्र कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष बालासाहेब थोरात ने कहा कि राज्य सरकार ने आर्थिक सहायता देने के लिए जो मानदंड तय किए हैं वह 'क्रूर मजाक' हैं। उन्होंने सरकार से पूछा कि, 'क्या बाढ़ प्रभावित लोगों को 10 किलो चावल और गेहूं पाने के लिए दो दिनों तक पानी में रहना चाहिए।' अगर सरकार में थोड़ी भी संवेदनशीलता बची है तो उसे इस आदेश को तुरंत वापस लेना चाहिए।

शेलार का पलटवार

सुबह से विपक्ष के हमलों के बाद शुक्रवार शाम को फडणवीस सरकार के मंत्री आशीष शेलार ने कहा कि कांग्रेस सरकार के राज में तो सात दिन तक बाढ़ के पानी में डूबने वालों को ही आर्थिक सहायता देने का नियम था।

मंत्री की सेल्फी पर हंगामा

इधर, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के दाहिने हाथ कहे जाने वाले राज्य के जल संसाधन मंत्री गिरीश महाजन सेल्फी को लेकर विवादों में घिर गए हैं। उनका एक विडियो सामने आया है, जिसमें वे बाढ़ग्रस्त जिले के कुछ हिस्सों के सर्वेक्षण के दौरान मुस्कुराते और खुशी से हाथ हिलाते हुए दिखाई दे रहे हैं। इस विडियो के सामने आने के बाद विपक्षी पार्टियों एनसीपी और कांग्रेस ने महाजन की निंदा की है।

संक्षिप्त न्यूज

10 वर्ष बाद भी नहीं आया टंकी में पानी

भिवंडी : महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में भिवंडी के कोंबडपाडा में लगभग 10 वर्ष पूर्व बनाई गई पानी की टंकी का दो बार उद्?घाटन हो चुका है, लेकिन पानी अब तक नहीं आया। मनपा जलापूर्ति विभाग की लापरवाही से अनियमित एवं कम दबाव में जलापूर्ति के कारण लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पेयजल की किल्लत को लेकर श्रमजीवी संगठन ने मनपा आयुक्त अशोककुमार रणखांब से मिलकर उन्हें एक ज्ञापन दिया। बता दें कि कोंबडपाडा-संगमपाडा सहित आसपास के इलाकों की पेयजल समस्या के लिए मनपा ने टंकी बनाई थी। मनपा में इस का महापौर भी चुना गया, लेकिन करोड़ों रुपये खर्च से बनी टंकी में पानी नहीं आया।

महिला की शिकायत पर पुलिस ने नहीं की कार्रवाई तो कर ली खुदकुशी

कानपुर : उत्तर प्रदेश के कानपुर में एक महिला की खुदकुशी का मामला सामने आया है. दरअसल महिला ने छेड़छाड़ की शिकायत पुलिस से की थी, लेकिन पुलिस ने महिला की शिकायत पर कोई कार्रवाई नहीं की जिसके बाद महिला ने खुदकुशी कर ली. इस मामले पर अऊ्रने कहा, संबंधित अधिकारी को घटना की जांच के आदेश दे दिए हैं. जांच में कोई भी दोषी पाया जाता है तो उसके खिलाफ कार्रवाई होगी.

डी-कंपनी में दरार, दाऊद इब्राहिम ने छोटा शकील के करीबी मचमच को सुनाई खरीखोटी

मुंबई : डी-कंपनी में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है। दाऊद इब्राहिम के भतीजे इकबाल कासकर के बेटे रिजवान को मुंबई पुलिस ने धमकी देने और पैसा वसूलने के आरोप में गिरफ्तार किया था। उसकी गिरफ्तारी के बाद जून में धमकी और जबरन वसूली से जुड़े एक मामले में भगोड़े गैंगस्टर ने अपने लेफ्ट हैंड छोटा शकील के सहयोगी फहीम मचमच को परिवार की अगली पीढ़ी को अपराध की दुनिया में खींचने की सजा दी है। रिजवान ने जाहिर तौर पर मचमच के इशारे पर काम किया था। सूत्रों की मानें तो रिजवान की गिरफ्तारी के अगले दिन दाऊद ने मचमच को फोन किया। उस समय मचमच यूएई में था। दाऊद ने उससे अपमानजनक भाषा में बात की और उसे जमकर फटकार लगाई। एक सूत्र ने कहा कि ज्यादातर बच्चे (परिवार की नई पीढ़ी से) अपराध से दूर हैं। युवा पीढ़ी विदेशों में पढ़ाई कर रही है तो परिवार के अन्य लोग खाड़ी देशों में शॉपिंग मॉल और अन्य व्यवसाय चला रहे हैं।

भतीजे की गिरफ्तारी से गुस्से में दाऊद

दाऊद अपने दिवंगत भाई नूरा के बेटे सोहेल कासकर की गिरफ्तारी से पहले से ही परेशान था। उसके ऊपर नाकोटेंररेज्म के आरोप के साथ कोलंबियाई विद्रोहियों की मदद करने और अमेरिका में मादक पदार्थ हेरोइन भेजने का आरोप था। इकबाल को पिछले साल एक जबरन वसूली के मामले में पकड़ लिया गया था और अब रिजवान की गिरफ्तारी के बाद डॉन बहुत गुस्से में है।

मचमच को गिरफ्तारी का ठहराया दोषी

दाऊद ने किसी मामले में 2003 में इकबाल कासकर के भारत लौटने के फैसले को अस्वीकार कर दिया था। इकबाल भारत में रहने वाला दाऊद का एकमात्र भाई है। उनकी बहन हसीना पारकर की दो साल पहले दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई थी। बताया जा रहा है कि बेइज्जत करने के बाद मचमच को दाऊद ने भतीजे की गिरफ्तारी के लिए दोषी ठहराया था। इसके बाद मचमच कराची गया था ताकि डॉन को समझाया जा सके।

विदेशी मुद्रा से दिया कमाई का झांसा

मुंबई : मोबाइल फोन पर कॉल करके या मैसेज भेजकर निवेश या आर्थिक लेनदेन करने का सुझाव देनेवालों से हमेशा सावधान रहना चाहिए। प्रायः ठग इसी तरह मोटी कमाई का झांसा देकर लोगों से ठगी करते हैं। सांताक्रुज-पूर्व निवासी ४९ वर्षीय व्यक्ति ऐसे ही ठगों का शिकार बन गया। ठगों ने उन्हें विदेशी मुद्रा में निवेश से मोटी कमाई का झांसा देकर २,७०,००० रुपए का चूना लगा दिया। बता दें कि ३ जून को सांताक्रुज-पूर्व निवासी अवधेश पांड्या (बदला हुआ नाम) ने गुजरात के नवसारी निवासी मनोज देसाई एवं उसके साथियों के खिलाफ निर्मल नगर पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। अवधेश ने पुलिस को बताया कि अक्टूबर २०१८ में उनके मोबाइल फोन पर एक मैसेज आया

था। मैसेज भेजनेवाले ने अवधेश को विदेशी मुद्रा में निवेश की जानकारी दी और इसमें निवेश से कम समय में ज्यादा मुनाफा मिलने की बात बताई। अवधेश ठगों के झांसे में आ गए और उन्होंने फॉरेक्स ट्रेडिंग अकाउंट के लिए एनईएफटी के जरिए २,७०,००० रुपए ठगों को भेज दिए लेकिन कुछ समय बाद जब अवधेश ने देसाई से कहा कि उन्हें पैसों की आवश्यकता है, इसलिए उसका फॉरेक्स ट्रेडिंग अकाउंट बंद करवा दें। इसके बाद देसाई, अवधेश को बरगलाने का प्रयास करने लगा और फिर उसने संपर्क खत्म कर लिया। ठगे जाने का एहसास होने पर अवधेश ने निर्मल नगर पुलिस थाने में मामले की शिकायत दर्ज कराई। डीसीपी मंजुनाथ सिंगे के मार्गदर्शन तथा वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक संग्राम पाचे के नेतृत्व में पीआई गुरव, कांबले, पीएसआई काले, गिरीश चव्हाण, सिपाही मंदार राणे और सहदेव उलसार की टीम ने मामले की छानबीन शुरू की।

धारा 370 पर सिंधिया ने क्यों किया मोदी सरकार का समर्थन?

भोपाल। जम्मू कश्मीर में धारा 370 हटाने को लेकर मोदी सरकार के फैसले पर देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस पूरी तरह कन्फ्यूज दिखाई दे रही है। पूरे मुद्दें पर विचार करने के लिए पार्टी अब दिल्ली में बड़े नेताओं की एक बैठक करने जा रही है जिसमें सभी महासचिव, प्रदेश अध्यक्षों के साथ पार्टी के सभी बड़े नेता शामिल होंगे।

इस मुद्दे पर पार्टी साफ तौर पर दो खेमों में बंटी हुई दिखाई दे रही है, उसके सबसे बड़े नेता राहुल गांधी सरकार के फैसले का विरोध कर रहे हैं तो दूसरी ओर उनके ही सबसे करीबी और विश्वसनीय सहयोगी ज्योतिरादित्य सिंधिया ने लोकसभा में वोटिंग के वक्त एक ट्वीट कर बिल का समर्थन कर सभी को चौंका दिया। सिंधिया से पहले मुंबई कांग्रेस अध्यक्ष मिलिंद देवड़ा और हरियाणा में कांग्रेस के युवा चेहरे दीपेंद्र सिंह हुड्डा भी धारा 370 पर मोदी सरकार के समर्थन में खड़े दिखाई दिए। अगर कांग्रेस के इन युवा नेताओं के फैसले को देखे तो इसके पीछे की कहानी कुछ और ही नजर आती है।

सिंधिया का समर्थन क्यों? - राहुल गांधी के कांग्रेस अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने के बाद ज्योतिरादित्य सिंधिया पार्टी के नए अध्यक्ष बनने की दौड़ में सबसे आगे है। ऐसे में क्या सिंधिया का बिल को समर्थन देना कांग्रेस की

विचारधारा में परिवर्तन और भविष्य की राजनीति की रणनीति की ओर इशारा करता है।

सिंधिया और कांग्रेस की राजनीति को करीबी से देखने वाले वरिष्ठ पत्रकार दिनेश गुप्ता कहते हैं कि सिंधिया के इस बयान को वह एक सोची समझी रणनीति के तौर पर देखते हैं। वह कहते हैं कि सिंधिया की छवि एक ऐसे राजनेता के तौर पर नहीं जो हर किसी मुद्दें पर बयान दे दें। सिंधिया ने बिल के समर्थन में जो ट्वीट किया वह उनका एक सोचा समझा कदम है और यह बयान अब कांग्रेस में वैचारिक बदलाव की ओर भी इशारा करता है। लोकसभा चुनाव के बाद कांग्रेस बराबर अपने परिवर्तन की बात कर देश के मूड के हिसाब से चलने की बात कह रही है और शायद इसी के चलते धारा 370 पर नई कांग्रेस के नेता भूल सुधार में सरकार के साथ खड़े दिखाई दिए। वह कहते हैं कि एक समय में कांग्रेस के सियासी एजेंडे में अल्पसंख्यक प्राथमिकता से होते थे लेकिन बदली सियासी परिस्थितियों में अब कांग्रेस की इस वोट बैंक पर भी मजबूत पकड़ नहीं रही। ऐसे में अब कांग्रेस कोई खतरा नहीं उठाना चाहती है और उसके युवा नेताओं ने बिल का समर्थन किया।

बिल के समर्थन के पीछे चुनावी कनेक्शन

इसके साथ ही कांग्रेस के जिन युवा नेताओं ने धारा 370 पर बिल का समर्थन किया है वह ऐसे प्रदेशों से आते है जहां आने वाले दिनों में विधानसभा चुनाव होने है। मुंबई कांग्रेस अध्यक्ष मिलिंद देवड़ा और हरियाणा मे कांग्रेस के युवा चेहरे दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने बिल का समर्थन

संपादकीय

निर्णय की ओर

सुप्रीम कोर्ट में राम जन्मभूमि विवाद की सुनवाई शुरू होने का अर्थ है देश के इस सबसे जटिल विवाद के समाधान की उम्मीद जगना।

यह देश के न्यायिक इतिहास के उन गिने-चुने मामलों में से एक है, जिसने कई दशकों का सफर तय किया है। अदालती मामला ही आजादी के बहुत पहले शुरू हुआ था और आज तक किसी अंतिम नतीजे पर नहीं पहुंच सका। और पूरा विवाद तो खैर डेढ़ सदी से भी ज्यादा पुराना है। अब जब देश के सर्वोच्च न्यायालय की संविधान पीठ ने दैनिक स्तर पर इसकी सुनवाई शुरू की है, तो उम्मीद यही की जानी चाहिए कि अंतिम फैसला बहुत दूर नहीं होगा। भले ही यह एक भूखंड के मालिकाना हक का मुकदमा है, लेकिन यह भी सच है कि इससे समाज के कुछ तबकों का मनोविज्ञान भी जुड़ा है और इसीलिए इसे लेकर लंबी राजनीति भी चली है। पूरे मामले की संवेदनशीलता को खुद सुप्रीम कोर्ट ने भी समझा था, इसीलिए उसकी पहली कोशिश यही थी कि मामला सभी पक्षों की समझ-बूझ और सुलह से ही सुलझ जाए। इसके लिए प्रतिष्ठित लोगों के साथ मध्यस्थ पैनल बनाकर एक लंबी कोशिश भी की गई, यह मध्यस्थता जब किसी नतीजे पर नहीं पहुंची, तो रास्ता यही बच गया था कि कानून की प्रक्रिया से इसका फैसला हो। यही प्रक्रिया अब शुरू हो गई है।

यह प्रक्रिया अनावश्यक रूप से खिंचने की उम्मीद इसलिए भी नहीं है कि हाईकोर्ट में चली इसकी प्रक्रिया के दौरान इसके ज्यादातर पहलू सामने आ ही चुके हैं। बेशक कुछ नए मसले भी उठेंगे, जैसे सोमवार की पहली सुनवाई में अदालत की कार्यवाही के सीधे प्रसारण का मसला उठा दिया गया। हालांकि अदालत ने फिलहाल इस मांग को खारिज कर दिया, लेकिन इस तरह की चीजें भी आती ही रहेंगी। वैसे अब मामला मुख्य रूप से यह है कि इस सिलसिले में हाईकोर्ट ने जो 2010 में जो फैसला दिया था, उससे कोई भी पक्ष सहमत नहीं था और सभी ने उसके खिलाफ न्याय की उम्मीद में सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। उस फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में कुल 14 अपील दायर हुई हैं। इस मामले की जो संवेदनशीलता है, उसे हाईकोर्ट ने भी अच्छी तरह समझा था। इसीलिए उसने एक ऐसा फैसला दिया था, जिसे प्रबंधन की भाषा में ह्यआउट ऑफ बॉक्सह्व फैसला कहा जा सकता है। उच्च न्यायालय ने विवादित भूखंड को तीन हिस्सों में बांटकर तीन पक्षों को देने का जो फैसला सुनाया था, वह किसी भी पक्ष को स्वीकार्य नहीं था। कई स्तरों पर उस फैसले का काफी स्वागत हुआ था, लेकिन तभी यह तय हो गया था कि लड़ाई अभी खत्म नहीं हुई, बल्कि कई मायनों में यह फिर से शुरू हुई है। अब जब दैनिक स्तर पर इसकी सुनवाई शुरू हुई है, तो सभी पक्षों से यह उम्मीद तो करनी ही होगी कि वे कानून की पूरी प्रक्रिया का सम्मान करें। साथ ही उन्हें यह संकल्प भी लेना चाहिए कि अदालत का जो भी फैसला होगा, उसे वे सिर-आंखों पर लेंगे। सुनवाई जब सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ कर रही हो, तब यह तर्क स्वीकार नहीं किया जा सकता कि फैसला हमारे पक्ष में होगा, तभी हम उसे स्वीकार करेंगे। इसकी उम्मीद हमें इस मामले में शामिल पक्षों से ही नहीं, बल्कि उन सारे संगठनों और राजनीतिकों से भी करनी होगी, जो समय-समय पर इसकी संवेदनशीलता का लाभ उठाने की कोशिश करते रहे हैं।

मांगों पर आश्वासन, बाढ़, आर्टिकल 370 पर अलर्ट के बाद फैसला

मुंबई : मानदेय बढ़ाने और दूसरी कई मांगों को लेकर बुधवार से हड़ताल पर गए रेजिडेंट डॉक्टरों ने गुरुवार को हड़ताल वापस लेने का फैसला किया है। महाराष्ट्र रेजिडेंट डॉक्टर्स असोसिएशन ने गुरुवार को ऐलान किया है कि अगले नोटिस तक के लिए हड़ताल खत्म कर दी गई है। मार्ड ने अपने स्टेटमेंट में बताया है कि मांगें पूरी किए जाने का आश्वासन मिलने के बाद और राज्य में बाढ़ और मुंबई में आर्टिकल 370 को लेकर जारी अलर्ट के बाद यह फैसला किया गया है। स्टेटमेंट में कहा गया है- 'आपको सूचित किया जाता है कि डीएमईआर के निदेशक डॉ टीपी लहाणे से मुलाकात के बाद, जिसमें उन्होंने हमें मौखिक और लिखित आश्वासन दिया है कि हमारी मांगों पर तेज कार्रवाई की जाएगी, साथ ही महाराष्ट्र के कई हिस्सों में बाढ़ और

मुंबई में 15 अगस्त और आर्टिकल 370 हटाए जाने के चलते जारी अलर्ट के दौरान डॉक्टर होने की हमारी जिम्मेदारी के मद्देनजर जेजे मार्ड बताना चाहता है कि हम मानवीय आधार पर अगले नोटिस तक हड़ताल खत्म कर रहे हैं। सभी रेजिडेंट अपने काम पर फौरन लौटें।'

बता दें कि महाराष्ट्र असोसिएशन ऑफ रेजिडेंट डॉक्टर (मार्ड) के सदस्य मानदेय में बढ़ोतरी, टीबी और मैटरनिटी लीव की मांगों को लेकर बुधवार से हड़ताल पर थे। आजाद मैदान में करीब 500 रेजिडेंट डॉक्टरों ने विरोध प्रदर्शन किया गया। रेजिडेंट डॉक्टरों की हड़ताल के कारण बुधवार को बीएमसी सहित राज्य सरकार के अस्पतालों की ओपीडी पर असर पड़ा। इस दौरान जहां अस्पतालों की ओपीडी में मरीजों की संख्या कम रही, वहीं कई प्लान्ड सर्जरी डॉक्टरों के अभाव में रद्द करनी पड़ीं।

अब यह नेक लड़ाई लड़ रहीं ब्रसल्ज बम धमाके की 'तस्वीर' रहीं मुंबई की निधि

मुंबई : वर्ष 2016 में ब्रसल्ज एयरपोर्ट धमाकों के चेहरे के रूप में चर्चा में आईं जेट एयरवेज की क्रू मेम्बर निधि चापेकर अब एक नई जंग लड़ रही हैं। जेट एयरवेज को बचाने की यह जंग है। इसके लिए वह बैंकों से मिल रही हैं। कर्मचारियों को एकजुट कर रही हैं। उनकी कोशिश सिर्फ यही है कि जेट एयरवेज फिर पटरी पर आ जाए या फिर कम से कम कर्मचारियों के बकाया वेतन राशि का भुगतान ही हो जाए ताकि उन्हें कोई परेशानी ना हो। अंधेरी की रहने वाली निधि चापेकर करीब 2 साल बाद ड्यूटी पर लौटी हैं। धमाकों में वह बुरी तरह से घायल हुई थीं।

22 सर्जरी से होकर गुजरने के बाद आज वह नए सिरे से जिंदगी को जीने में जुटी हैं। ऐसे में अब निधि समाज के लिए कुछ अलग कर दिखाना चाहती हैं। उन्होंने इसकी शुरूआत अपनी कंपनी से ही की है, जो इस समय आर्थिक संकट में है और कर्मचारियों का वेतन कई माह से बकाया है। अपनी लड़ाई को आगे बढ़ाने के लिए उन्होंने एयरलाइन्स के क्रू मेंमबर्स का एक संगठन बनाया है। अपने प्रतिनिधियों के साथ वह लगातार बड़े- बड़े उद्यमियों और बैंकों से मिल रही हैं ताकि कुछ मदद लेकर कंपनी में जान फूंकी जा सके।

यूं झेल रहे हैं कर्मचारी

हमारे सहयोगी मुंबई मिरर से बातचीत में निधि ने कहा, 'हमारे कई साथी हैं जो सिर्फ 20 साल की उम्र में इस एयरलाइंस से जुड़े थे। करीब दो दशक से वे इसकी सेवा कर रहे हैं। एक झटके में उनकी नौकरी चली जाए तो सोचिए उस परिवार पर क्या बीत रही होगी? मुझे जानकारी है कि कई हमारे साथी परिवार चलाने के लिए अपनी जूलरी तक बेच चुकी हैं।' चापेकर कहती हैं कि वह खुद अपनी भविष्य निधि (पीएफ) का 70 फीसदी हिस्सा खर्च कर चुकी हैं। कहती हैं, मेरे बच्चों की पढ़ाई का सालाना खर्च करीब 9 लाख रुपये है। यह पैसा बुढ़ापे के लिए था, पर अभी इसका इस्तेमाल करने के लिए हम मजबूर हैं।'

'पीएम मोदी से है उम्मीद'

इसे दुर्भाग्यपूर्ण और तनावपूर्ण स्थिति करार देते हुए चापेकर ने कहा, 'एयरलाइन्स के कर्मचारी अपने वाहनों को बेच रहे हैं। इसके अलावा कई जगह जॉब इंटरव्यू में उन्हें अपमान का भी सामना करना पड़ रहा है।' निधि ने उम्मीद जताई कि पीएम नरेंद्र मोदी इस मामले मे संज्ञान लेंगे और उनके जैसे सैकडों कर्मचारियों के भविष्य को बेहतर बनाने में मदद करेंगे।

बारिश से राहत, मौसम विभाग ने जारी की पीली चेतावनी

मुंबई : मुंबई महानगर में सोमवार से बारिश से राहत है। आगे भी कमोबेश मुंबई में बारिश को लेकर स्थिति कुछ इसी तरह रहने वाली है। बुधवार को क्षेत्रीय मौसम विभाग की तरफ से गुरुवार के लिए पीले रंग में बारिश की चेतावनी जारी की गई है, जिसका मतलब है कि संबंधित व्यक्ति बारिश पर नजर बनाए रखे। गुरुवार के बाद शुक्रवार की चेतावनी भूरे रंग में है, जबकि अगले दो दिनों की फिर से चेतावनी पीले रंग में जारी की गई है। अधिकारियों के अनुसार, बंगाल की खाड़ी में बने एक कम दबाव के क्षेत्र के कारण महाराष्ट्र के आंतरिक हिस्सों में गुरुवार, शुक्रवार और शनिवार को बेहद भारी बारिश हो सकती है। इसका असर मध्य महाराष्ट्र और दक्षिण महाराष्ट्र के इलाकों में दिखेगा। कम दबाव के क्षेत्र का असर मुंबई में कम दिखेगा, हालांकि मुंबई, ठाणे पालघर इत्यादि इलाकों में रुक -रुक कर बारिश जारी रहेगी। इस दौरान कुछ जगहों पर भारी बारिश भी हो सकती है।

झांसा देकर ठगी करने वाला गिरफ्तार

ठाणे: फिल्म, टीवी सीरियल और विज्ञापन में काम दिलाने का झांसा देकर सैकड़ों लोगों को ठगने वाले संदीप पाटील उर्फ सैंडी उर्फ स्वप्निल महाजन को ठाणे पुलिस की अपराध शाखा यूनिट-5 ने गिरफ्तार किया है।

वर्तकनगर पुलिस स्टेशन में संदीप के खिलाफ डोंबिवली निवासी रविंद्र कुलकर्णी ने मामला दर्ज कराया था। संदीप ने कुलकर्णी के बेटे अद्वैत को टीवी और सीरियल में काम दिलाने का आश्वासन देकर 11 हजार रुपये लिए थे। उसने अद्वैत का पोर्टफोलियो बनाया, लेकिन न पोर्टफोलियो दिया, न काम। पाटील के खिलाफ कोल्हापुर, रत्नागिरी, गोवा, पुणे और नवी मुंबई के अलग-अलग पुलिस स्टेशनों मामले दर्ज हैं।

गड्ढे ने ली ट्रैफिक हवलदार की जान

अंबरनाथ: ड्यूटी खत्म कर घर जा रहे ट्रैफिक हवलदार संजय पाटील की सड़क के गड्ढे की वजह जान चली गई। जानकारी के अनुसार, मंगलवार की रात पाटील बाइक से निकले थे। थोड़ी दूर जाने पर वह गड्ढे की वजह से ट्रक की चपेट में आ गए। उन्हें हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। बता दें कि एमएमआरडीए ने सड़कों के लिए 40 करोड रुपये मंजूर किए हैं, लेकिन रास्तों की हालत खराब है। इससे पहले भी गड्ढों की वजह से 3 लोगों की मौत हो चुकी है।

पश्चिमी महाराष्ट्र में भारी बारिश से बाढ़, 16 की मौत, लाखों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया

मुंबई/पुणे : मुंबई के बाद अब भारी बारिश के कारण पश्चिम महाराष्ट्र बाढ़ का संकट झेल रहा है। पुणे, कोल्हापुर, सतारा, सांगली और सोलापुर बाढ़ से सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। इन इलाकों में बाढ़ से जुड़े हादसों के कारण 16 लोगों की जान जा चुकी है। लाखों की संख्या में लोग प्रभावित हैं जिन्हें सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है। नैशनल डिजास्टर रिस्पॉन्स फोर्स (ठञ्जफ्र) के साथ-साथ भारतीय वायुसेना और नेवी राहतकार्य में जुटे हैं।

1 लाख लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया

पश्चिमी महाराष्ट्र के पांच जिले, कोल्हापुर, सांगली, सोलापुर, पुणे और सतारा बाढ़ की चपेट में हैं। लोगों के घर पानी में डूब गए हैं और अब तक 16 लोगों की मौत हो गई है। इन इलाकों से करीब 1,00,000 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा चुका है। सबसे ज्यादा नुकसान सांगली और कोल्हापुर जिलों को झेलना पड़ा है। बाढ़ में फंसे लोगों के लिए राहत और बचाव अभियान में एनडीआरएफ की 22 टीमों समेत भारतीय वायुसेना और नेवी के जवान मुस्तैद हैं।

अभी भी भारी बारिश की संभावना

बाढ़ के कारण सतारा और सांगली से निकलने वाले मुंबई-बेंगलुरु हाइवे को बंद कर दिया गया है। मौसम विभाग के मुताबिक फिलहाल भारी बारिश की संभावना बरकरार है जिसके कारण हालात सुधरने में वक्त लग सकता है। वहीं, सांगली में बने बांधों के ओवरफ्लो करने के कारण बाढ़ और भयानक हो चुकी है। यहां से करीब 50,000 लोगों को सुरक्षित निकाला गया है।

सीएम ने की बैठक

हालात के मद्देनजर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बुधवार को कैबिनेट की बैठक बुलाई थी। राजस्व मंत्री चंद्रकांत पाटील, जल संसाधन मंत्री गिरीश महाजन, सहकारी मंत्री सुभाष देशमुख, लोक निर्माण कार्य विभाग मंत्री एकनाथ शिंदे और पर्यावरण मंत्री रामदास कदम के साथ हुई बैठक में पश्चिमी महाराष्ट्र में बाढ़ के कारण पैदा हुई स्थिति की समीक्षा की गई।

मीरा-भाईंदर मनपा ने दी शहीद कौस्तुभ को श्रद्धांजलि

मीरा-भाईंदर: पिछले साल उत्तरी काश्मीर के गुरेज में शहीद हुए मेजर कौस्तुभ राणे को मीरा-भाईंदर मनपा ने श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर ठाणे जिला से संबंधित 25 अन्य शहीदों को भी श्रद्धा सुमन अर्पित किए गए। मनपा ने शहीदों की याद में वृक्षारोपण किया और वृक्षों को शहीदों का नाम दिया। इस मौके पर राणे के माता-पिता और पत्नी के अलावा अन्य शहीदों के भी परिजन भी उपस्थित थे। महापौर डिंपल मेहता ने कहा कि ये वृक्ष हमेशा शहीदों की याद दिलाते रहेंगे। कार्यक्रम में विधायक नरेंद्र मेहता और आतुक्त बालाजी खतगावकर भी उपस्थित थे।

बिल्डिंग का स्लैब गिरने से गई जान

कल्याण: डोंबिवली (पश्चिम) में अति खतरनाक गोडसे बिल्डिंग का स्लैब गिरने से विकास फडके की मौत हो गई। घटना के तुरंत बाद मनपा के कर्मचारी और फायर ब्रिगेड के लोग वहां पहुंच गए। सभी लोग काम पर लग गए हैं। बता दें कि कल्याण-डोंबिवली महानगरपालिका अति खतरनाक बिल्डिंगों की लिस्ट तो निकालती है, लेकिन कार्रवाई न होने से लोगों की जान चली जाती है।

चोर समझकर पीटा, युवक की मौत

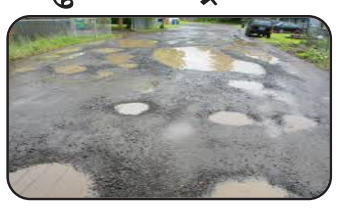

कल्याण: शहर में 6 लोगो ने एक व्यक्ति को चोर समझ लिया और उसके हाथ-पैर बांधकर उसे इतना पीटा की मौत हो गई। घटना सोमवार रात की है। झारखंड निवासी जोंगोल लोहरा का शव मंगलवार को मिला था। 5 आरोपियों गिरफ्तार हो चुके हैं, जबकि एक फरार है। कल्याण (पश्चिम) स्थित महालक्ष्मी होटल के पास सब्जी बाजार से लोहरा का शव मिला था। महात्मा फुले पुलिस ने सीसीटीवी खंगाले, तो 6 लोग उसे पीटते नजर आए। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि लोहरा देर रात इलाके में घूम रहा था, तो उसे चोर समझ लिया। इसके बाद उसकी पिटाई कर दी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। आरोपियों ने शव दूसरी जगह फेंककर सबूत मिटाने की भी कोशिश की थी।

मीरा-भाईंदर को मिला 25 एमएलडी पानी

मीरा-भाईंदर: प्रस्तावित 35 एमएलडी पानी में से मीरा-भाईंदर को 25 एमएलडी पानी मिलने लगा है। यह जानकारी एमआईडीसी के सूत्रों से मिली है। गौरतलब है कि महाराष्ट्र शासन के आदेशानुसार 2015 में मीरा-भाईंदर को बारवी बांध से एमआईडीसी कोटे से 65 एमएलडी पानी देने का आदेश था, लेकिन केवल 30 एमएलडी पानी ही मिल रहा था। अब 25 एमएलडी और मिलने लगा है। बचा हुआ 10 एमएलडी पानी भी जल्द मिल सकता है। इस समय मीरा-भाईंदर को 201 एमएलडी मिल रहा है।

शादी का झांसा देकर युवती से ठगी

विरार: मेट्रोमोनियल वेबसाइट के जरिए विरार (पूर्व) की रहने वाली एक युवती को शादी का झांसा आरोपी ने 94 हजार रुपये ठग लिए। सीनियर पीआई अनिल दबडे ने बताया कि चंदनसार रोड स्थित रिद्धि सिद्धि अपार्टमेंट निवासी स्वप्ना महेंद्र बांदेकर (26) की 19 जून को वेबसाइट पर गणेश जोशी से पहचान हुई। जोशी ने बताया कि वह स्कॉटलैंड में रहता है और उससे शादी करना चाहता है। दोनों के बीच बातचीत होने लगी। जाल में फंसने के बाद 26 जून को जोशी ने उससे कहा कि दिल्ली में उसके पिताजी की जमीन का विवाद चल रहा है। उसे पैसों की जरूरत है। युवती बातों में आ गई और 94 हजार रुपये ट्रांसफर कर दिए। इसके बाद से जोशी ने बात बंद कर दी।

वसई में हथकड़ी सहित भागे बदमाश

वसई: मुंबई-अहमदाबाद हाइवे के सातीवली फ्लाइओवर के पास सिलवासा पुलिस की हिरासत से तीन शातिर अपराधी हथकड़ी सहित फरार हो गए। तीनों अपराधियों को ठाणे जेल ले जाते समय यह घटना हुई है। जानकारी के अनुसार, डकैती के मामले में गिरफ्तार आरोपियों जयराम लाखमा दलवी, गणेश उर्फ बोक लाखमा दलवी व मार्टिन राज्या माढा को पुलिस वैन से ठाणे जेल ले जा रही थी।

वैन में चार-पांच पुलिसकर्मी भी थे। रात करीब 8 बजे सातीवली फ्लाइओवर पर आरोपियों ने पेशाब व उल्टी का बहाना बनाया। पुलिसकर्मी तीनों को हथकड़ी के साथ पेशाब कराने ले जा रही थी कि पुलिसकर्मियों को धक्का देकर तीनों जंगल में भाग गए।

फ्लाइट में बैठे थे यात्री, अचानक एयरप्लेन के अंदर फैल गया धुआं

मैड्रिड: ब्रिटिश एयरवेज की एक फ्लाइट में बैठे यात्री उस वक्त सहम गए जब पूरा प्लेन धुएं से भर गया. लंदन से स्पेन जा रही इस फ्लाइट की एमरजेंसी लैंडिग करनी पड़ी. स्पेन के वालेंसिया स्थित हवाई अड्डे पर लैंडिंग के दौरान 'ब्रिटेश एयरवेज' के विमान में अचानक धुआं भर गया. सभी यात्रियों को सुरक्षित निकाल लिया गया. समाचार एजेंसी 'यूरोपा प्रेस' ने बताया कि स्थानीय अधिकारियों ने जानकारी दी थी कि तीन लोग दम घुटने से बीमार हो गए जिनका इलाज जारी है. वहीं, 10 से 12 लोगों को आपात दरवाजे से निकलते समय चोटे आईं.

आवश्यकता है

मुंबई, ठाणे, कल्याण, नवी मुंबई, पालघर, इलाहाबाद, वाराणसी, भदोही, जौनपुर, प्रतापगढ, आजमगढ़, लखनऊ इत्यादि जिलों से अंशकालिक संवाददाताओं की आवश्यकता है। संपर्क करें :

संपर्क : मो. ९८२१२८७९०५, ९३२२२४८३५३-९१६७००९६२९

Email : metrodinank@gmail.com

Advertisment Rates

Rs. 1000/- 1 Month (Five lines)
Rs. 3000/- 2 Month+1 Month (Five lines)
Rs. 3000/- 3 Month+2 Month (Five lines)

Size	B/W (Rs.)	4 Col. (Rs.)
Full Page	30,000	50,000
Half Page	16,000	30,000
Quarter Page	8,000	16,000
V card size	4,000	9,000

MEMBERSHIP

5 Year - 1000 Life time - 3000

Note : Please Issue Cheque, Cash & DD in the name of "Metro Dinank"

प्रकाशक, मुद्रक- श्रीमती मंजू दीनानाथ तिवारी द्वारा स्वामी एवं संपादक- दीनानाथ एम.तिवारी, द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस 7, उद्योग भवन, शर्मा इंडस्ट्रियल इस्टेट, बालभट्ट रोड गोरेगांव (पूर्व), मुंबई- 63 मुद्रित तथा जय बजरंगबली चाल कमेटी, गांधी नगर, कुरार विलेज मालाड (पूर्व), मुंबई- 97 से प्रकाशित। **संपादक** - दीनानाथ एम. तिवारी, **कार्यकारी संपादक-** कर्ण हिन्दुस्तानी, **उपसंपादक-** शिवशंकर तिवारी, संतोष तिवारी, राजेश पाल **संरक्षक-** वसंत सेठिया, शैलेश देसाई, दयाराम पाल, राजेंद्र आर. पाल, जया पेंगल, राजकुमार यादव, सुशील पाण्डेय (सी.ए.) - **चीफ एड डिपार्टमेन्ट-** निलेश पांडे **वितरक-**सुचित कुमार (मंत्रालय, पुलिस, मनपा, रेलवे, ओल्ड कस्टम हाऊस)

उत्तर प्रदेश ब्यूरो चीफ : बी. के. मिश्रा / सी. एस. तिवारी

कानून सलाहकार- डी.के. पाण्डेय, एड. किशोर डेढिया, जे.पी. शर्मा, एस.के. दुबे, के.के. शुक्ला, **संपर्क : टेलीफैक्स** 022-29656280,

मो. 9821287905, 9322248353-9167009629

Email : metrodinank@gmail.com

Post Regd.NoMH/MR/NW~-143/2009

नोटिस, नामपरिवर्तन, गजट, व्यवसायिक विज्ञापन आदि छपवाने के लिए संपर्क करें

एनडीटीवी के संस्थापक प्रणय, राधिका रॉय मुंबई हवाई अड्डे पर विदेश जाने से रोके गए

मुंबई : भ्रष्टाचार के आरोपों का सामना कर रहे एनडीटीवी के संस्थापक प्रणय रॉय और उनकी पत्नी राधिका रॉय को शुक्रवार को मुंबई हवाई अड्डे पर विदेश जाने से रोक दिया गया। सीबीआई की ओर से जारी 'ऐहतियाती' लुकआउट सर्कुलर (एलओसी) के आधार पर यह कार्रवाई की गई। एनडीटीवी ने एक बयान में कहा कि इन दोनों को 'सीबीआई ने दो साल पुराने भ्रष्टाचार के एक फर्जी और निराधार मामले के आधार पर रोका है।' दिल्ली में सीबीआई अधिकारियों ने कहा कि आईसीआईसीआई बैंक से जुड़े कथित धोखाधड़ी से संबंधित मामले में जून में दोनों के खिलाफ सावधानी के लिए निगरानी का नोटिस (एलओसी) जारी किया गया था। अधिकारियों ने कहा कि दोनों को इसी नोटिस के आधार पर देश छोड़ने से रोका गया है। एलओसी किसी व्यक्ति को देश छोड़ने से रोकने के उद्देश्य से जारी किया जाता है। एजेंसियां इसके आधार पर व्यक्ति को बाहर जाने से रोक सकती हैं पर इसके तहत उसे हिरासत में नहीं लिया जा सकता। अधिकारियों ने कहा कि यह एलओसी सिर्फ दोनों को देश छोड़ने से रोकने के लिए है, हिरासत में लेने के लिए नहीं।

कंपनी ने बयान में यह नहीं बताया है कि दोनों कहां जा रहे थे। हालांकि, उसने कहा कि दोनों विदेश यात्रा से 16 अगस्त को लौटने वाले थे।

कंपनी की दलील

कंपनी ने कहा, 'मीडिया कंपनी मालिकों पर छापे और आज की यह कार्रवाई मीडियावालों के लिए चेतावनी है कि वे हां में हां मिलाएं नहीं तो कार्रवाई झेलें।' कंपनी ने कहा कि यह पूरी तरह से मूल अधिकारों का उल्लंघन है। बयान में एनडीटीवी ने अपने इन दोनों संस्थापकों को 'पत्रकार' कहा है। हालांकि कंपनी ने यह नहीं बताया है कि वे किस कारण से विदेश जा रहे थे।

आपको बता दें कि कथित बैंक धोखाधड़ी मामले में दो साल पहले एनडीटीवी के मालिक रॉय के ठिकानों पर केंद्रीय जांच एजेंसी सीबीआई ने छापेमारी की थी। सीबीआई ने दो जून 2017 को प्राथमिकी दर्ज करने के बाद बयान में कहा था कि वह कर्ज चूक की जांच नहीं कर रही है बल्कि भारतीय रिजर्व बैंक के नियमों, सेबी के दिशा-निदेर्शों के उल्लंघन और आईसीआईसीआई बैंक की ओर से कंपनी के कर्ज पर ब्याज दर में कमी की जांच कर रही है। इसके कारण बैंक को कथित रूप से 48 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ था। इससे पहले, दिवाला प्रक्रिया से गुजर रही एयरलाइन कंपनी के प्रवर्तक नरेश गोयल और उनकी पत्नी को विदेश जाने से रोका गया था। प्रवर्तन निदेशालय के उनके खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग का मामला दर्ज करने के बाद यह कार्रवाई की गई थी।

महिला सीए ने हवलदार को सौ मीटर तक कार से घसीटा, फिर मीडियाकर्मी को पीटा

गुरुग्राम के वाटिका चौक पर गुरुवार सुबह रेड लाइट जंप करते समय एक कार को रोकना ट्रैफिक पुलिसकर्मियों को भारी पड़ गया। कार में पति के साथ बैठी गुस्साई महिला सीए ने ट्रैफिक पुलिस के हवलदार पर क ार चढ़ा दी और कार के बोनट के सहार उसे 100 मीटर तक घसीट कर ले गई।

मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने बड़ी मुश्किल से कार रुकवाई। इस दौरान वह महिला मौके पर मौजूद एक मीडियाकर्मी से भी उलझ गई। हवलदार और मीडियाकर्मी की शिकायत पर सेक्टर-50 थाने में हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर दोनों दंपति को गिरफ्तार कर लिया गया है।

पुलिसकर्मियों के मुताबिक, कार रुकवाते ही महिला सीए और उसके पति ने मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों से हाथापाई की। इतना ही नहीं, वहां मौजूद मीडियाकर्मियों से हाथापाई कर उनका कैमरा भी तोड़ दिया।

आरोपी महिला अनामिका (32) पेशे से सीए है और उसका पति राहुल (28) एक इंजीनियर है। दोनों गुरुग्राम के सेक्टर-91 में रहते हैं। उधर, महिला का आरोप है कि उसे बेवजह परेशान किया गया।

रेड लाइट जंप करने के बाद हुआ विवाद

ट्रैफिक इंस्पेक्टर कुलदीप दहिया ने बताया कि वाटिका चौक पर ट्रैफिक पुलिस कर्मी चालन काट रहे थे। इस दौरान एसपीआर रोड की तरफ से एक कार ने रेड लाइट जंप की। पुलिसकर्मियों द्वारा कार को रुकवाया गया और ड्राइवर को कार के कागजात लाने के लिए कहा। उसने कहां की कागजात लेकर आता हूं। वह कार में जाकर बैठ गया। कार के पीछे बैठे दंपति कार की अगली सीट पर बैठ गए। महिला ने कार चलानी शुरू कर दी। इस पर कार को रुकवाने का प्रयास किया, तभी महिला ने कार को हवलदार सुनील पर चढ़ा दी। वह कार के बोनट पर आ गए और वह सुनील को सौ मीटर तक घसीटते हुए लेकर गई। सामने बाइक आने के कारण कार को रोकना पड़ा। उसके बाद महिला को पकड़ने की कोशिश की तो कार मे बैठी महिला व युवक ने मारपीट और गाली-गलौज करने लगे।

मौसा ने नाबालिग से रेप किया

नई दिल्ली । खजूरी खास में 17 वर्षीय नाबालिग से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। नाबालिग के मौसा ने ही वारदात को अंजाम दिया। वारदात में पीड़िता की मौसी भी शामिल रही। पुलिस ने केस दर्ज कर 35 वर्षीय मौसा को गिरफ्तार कर लिया है। पीड़िता सोनिया विहार में रहती है। वह एक स्कूल में 12वीं कक्षा की छात्रा है। डेढ़ महीना वह मौसी के घर गई थी।आरोप है कि किसी काम से मौसी ने अपनी लड़की को बाहर भेज दिया। फिर मौसी ने पीड़िता को अपने पति के साथ कमरे में बंद कर दिया । पीड़िता के मौसा ने उसके साथ दुष्कर्म किया।

मुंबई-पुणे के बीच दौड़ेंगी आठ नई शिवनेरी

मुंबई : राज्य परिवहन मंत्रालय द्वारा हाल ही में एसटी बसों के किराए में कटौती की गई है। इस फैसले के बाद अब मुंबई-पुणे के बीच 20 नई सर्विस चलाने की बात कही गई थी। इसी फैसले के अंतर्गत शुक्रवार से मुंबई-पुणे के बीच 8 नई सर्विस शुरू की गई हैं। पिछले 15 वर्षों में मुंबई-पुणे रूट पर एसटी की शिवनेरी बसें चल रही हैं। इतने वर्षों के बाद अब मुंबई-पुणे के बीच रोजाना 272 सर्विस चलती हैं, शुक्रवार से 32 और सर्विस का इजाफा हुआ है। अब दादर-पुणे, दादर-स्वारगेट, बोरीवली-स्वारगेट, ठाणे-स्वारगेट इस रूट पर रोजाना 304 सर्विस रोजाना चलाई जाएंगी। हाल ही में किराया कटौती करने के बाद पिछले वर्ष के मुकाबले इस बार 21 हजार यात्रियों का इजाफा हुआ है। शिवनेरी बसों में महिलाओं के लिए सीट क्रमांक 3 से 12 तक आरक्षित रहती हैं।

बस टिकट लेने के विवाद में दोस्त को मार डाला, जानें पूरा मामला

दिल्ली : दिल्ली के बवाना पुलिस ने 40 साल के आरटीवी चालक राजकुमार की हत्या के मामले में तीन दोस्तों को गिरफ्तार किया है। राजकुमार ने तीनों दोस्तों को बेटिकट यात्रा करने पर टोक दिया था। बस इसी विवाद में उसकी हत्या कर दी गई। मंगलवार सुबह औचंदी गांव के खेतों में राजकुमार का शव मिला था। मामले की जांच के दौरान इंस्पेक्टर अनुपम व एसआई गजेंद्र माथुर को पता चला कि राजकुमार का सोमवार को अनिल, इंदरजीत और सुमित से विवाद हुआ था। पुलिस ने बुधवार को तीनों से पूछताछ की तो इन्होंने राजकुमार की हत्या की बात कबूल ली।

अनुच्छेद 370 को लेकर बीजिंग पहुंचे पाक विदेश मंत्री की गुहार के बाद चीन ने दिया ये बयान

भारत सरकार द्वारा जम्मू कश्मीर को विशेष दर्जे से संबंधित अनुच्छेद 370 के अधिकतर प्रावधानों को समाप्त करने के बाद पाकिस्तान के विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी चीन का समर्थन हासिल करने के लिए यहां पहुंचे और इसी दौरान चीन ने शुक्रवार को भारत और पाकिस्तान से संवाद तथा बातचीत के रास्ते विवादों को सुलझाने की सलाह दी। यहां विश्वस्त सूत्रों ने बताया कि कुरैशी कश्मीर मुद्दे पर पाकिस्तान के प्रयासों के तहत चीन का समर्थन हासिल करने के लिए बीजिंग पहुंचे हैं। भारत ने इसी सप्ताह जम्मू कश्मीर से संबंधित संविधान के अनुच्छेद 370 की अधिकतर धाराओं को समाप्त कर दिया है और प्रदेश को जम्मू कश्मीर तथा लद्दाख, दो केंद्रशासित प्रदेशों में बांटा है। पाकिस्तान ने भारत की कार्रवाई को 'एकतरफा और गैरकानूनी करार देते हुए कहा कि वह इस मामले को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में ले जाएगा। पाकिस्तान के फैसले पर पूछे गये सवालों के जवाब में चीन के विदेश मंत्रालय ने कहा, "चीन ने पाकिस्तान के संबंधित बयान पर संज्ञान लिया है। उसने यहां मीडिया को बांटे गये लिखित जवाब में कहा, "हम पाकिस्तान और भारत का आह्वान करते हैं कि संवाद और बातचीत के माध्यम से विवादों को सुलझाएं तथा संयुक्त रूप से क्षेत्रीय शांति एवं स्थिरता कायम करें। चीन ने अनुच्छेद 370 से संबंधित भारत के फैसले का सीधा उल्लेख किये बिना कहा, "सबसे पहली प्राथमिकता है कि संबंधित पक्ष को एकतरफा तरीके से यथास्थिति में बदलाव करना रोकना चाहिए और तनाव बढ़ाने से बचना चाहिए। चीन ने छह अगस्त को लद्दाख को भारत का केंद्रशासित प्रदेश बनाने के फैसले पर आपत्ति जताते हुए कहा था कि उसकी क्षेत्रीय संप्रभुता की अनदेखी की गयी है। कुरैशी के बाद विदेश मंत्री एस जयशंकर 11 अगस्त से यहां तीन दिनी दौरा शुरू करने वाले हैं। इस दौरान वह अपने चीनी समकक्ष वांग यी के साथ व्यापक बातचीत कर सकते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूसरे कार्यकाल में यह किसी भारतीय मंत्री की पहली चीन यात्रा होगी। यह यात्रा पहले से निर्धारित है।

सड़क किनारे पुल पर लटका दी 19 लाशें,लिखा- देशभक्त बनिए, वियाग्रा को खत्म कीजिए

मेक्सिको सिटी: मेक्सिको पुलिस ने एक पुल से लटक रहे नौ शव और सड़क के किनारे क्षत विक्षत अवस्था में सात शव बरामद किए. सड़क से थोड़ी दूर पर तीन और शव बरामद किए गए हैं. कुल मिलाकर 19 शव पुलिस ने बरामद किए. पुल से लटकते शव के पास एक बैनर भी मिला है जिसमें ड्रग माफिया ने प्रतिद्वन्द्वियों को धमकी दी है. पश्चिमी राज्य मिचोआकान के अभियोजक ने लोगों के मारे जाने की जानकारी दी है. इसे मादक पदार्थ का धंधा करने वाले गिरोहों द्वारा हिंसा की वापसी माना जा रहा है, जो मेक्सिको में वर्ष 2006-2012 के बीच अपने चरम पर थे. उस दौर में प्रशासन और प्रतिद्वंद्वी गिरोहों को संदेश देने के लिए लोगों की हत्या कर शवों को सड़क के किनारे फेंक दिया जाता था. मिचोआकान के अटॉर्नी जनरल एड्रियन लोपेज सोलिज ने संवाददाता सम्मेलन में बताया कि पुल से बरामद दो शव अर्धनग्न अवस्था में थे और उनके गले में फंदा था. एक क्षतविक्षत शव महिला का है. पीड़ित उरुपान शहर के हैं जिन्हें गोली मारी गई है.

कुछ शवों के हाथ बंधे हुए हैं. शव के पास से बरामद बैनर स्पष्ट नहीं है, लेकिन यह कुख्यात गैंग जलिस्को को इंगित करता है. बैनर में लिखा है ह्यह्यदेशभक्त बनिये, वियाग्रा को खत्म कीजिए.''

संयंम बरतने की अपील के साथ यूएन महासचिव ने शिमला समझौते की दिलाई याद

संयुक्त राष्ट्र प्रमुख एंतोनियो गुतारेस ने भारत और पाकिस्तान के बीच 1972 में हुए शिमला समझौते को याद किया जिसमें कश्मीर में तीसरे पक्ष की मध्यस्थता से इनकार किया गया है। जम्मू कश्मीर का विशेष दर्जा हटाने के भारत के फैसले के बाद पाकिस्तान ने गुतारेस से उचित भूमिका निभाने के लिए कहा जिसके बाद उनका यह बयान आया है। गुतारेस के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने एक नियमित संवाददाता सम्मेलन में कहा कि महासचिव जम्मू कश्मीर में स्थिति पर गंभीरता से नजर रख रहे हैं और उन्होंने इस पर अधिकतम संयम बरतने की अपील की है। महासचिव ने भारत और पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय संबंधों पर 1972 में हुए उस समझौते को भी याद किया जिसे शिमला समझौते के नाम से जाना जाता है। इस समझौते में कहा गया है कि जम्मू कश्मीर की अंतिम स्थिति पर संयुक्त राष्ट्र के चार्टर के अनुसार शांतिपूर्ण तरीकों से निर्णय लिया जाएगा। उन्होंने शिमला समझौते को याद किया जिसमें कहा गया है कि कश्मीर भारत और पाकिस्तान के बीच एक द्विपक्षीय मुद्दा है और इसमें तीसरे पक्ष की मध्यस्थता की जरूरत नहीं है। इससे एक दिन पहले संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान की दूत मलीहा लोधी ने अनुच्छेद 370 हटाने के भारत के फैसले बाद महासचिव से अपनी उचित भूमिका निभाने के लिए कहा था। महासचिव ने कश्मीर पर भारत और पाकिस्तान के बीच मध्यस्थता की कोई पेशकश नहीं दी। इसके बजाय उन्होंने शिमला समझौते का हवाला दिया।

गुतारेस ने सभी पक्षों से ऐसे कदमों को उठाने से बचने का भी आह्वान किया है जिससे जम्मू कश्मीर की स्थिति प्रभावित हो सकती है। उनकी यह टिप्पणी पाकिस्तान के उस फैसले के बाद आयी है जिसमें उसने भारत के साथ राजनयिक संबंधों को कमतर कर दिया और द्विपक्षीय व्यापार भी निलंबित कर दिया।

यह पूछे जाने पर कि क्या महासचिव की योजना कश्मीर मुद्दे को सुरक्षा परिषद में उठाने की है, दुजारिक ने जवाब दिया, "मुझे ऐसी किसी योजना की जानकारी नहीं है। साथ ही उन्होंने बताया कि पाकिस्तान के विदेश मंत्री से मिले पत्र को उनके अनुरोध पर सुरक्षा परिषद के पास भेज दिया गया है।

यह पूछने पर कि क्या महासचिव को लगता है कि कश्मीर में स्थिति पर किसी विशेष दूत के जरिए करीबी नजर रखने की जरूरत है, दुजारिक ने कहा, "महासचिव स्थिति पर करीबी नजर रख रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र सचिवालय निकटता से स्थिति पर नजर रख रहा है लेकिन मेरे पास विशेष दूत के बारे में बताने के लिए कुछ भी नहीं है।

चीन की सड़कों पर रोबोट ट्रैफिक पुलिस कर रही गश्त, जानें क्या हैं इसकी खासियतें

सबसे ज्यादा जनसंख्या वाले देश में ट्रैफिक को नियंत्रित करना आसान काम नहीं है। इसे देखते हुए चीन ने चेहरा पहचानने वाली तकनीक से लैस रोबो पुलिस की तैनाती सड़कों पर कर दी है। रोबोटिक ट्रैफिक पुलिस ने उत्तरी चीन के हेबान प्रांत के हनदान शहर की सड़कों पर गश्त शुरू कर दी है।

हनदान की ट्रैफिक पुलिस ने बताया कि तीन तरह के रोबो पुलिस की तैनाती की गई है। एक गश्ती करेगा, दूसरा लोगों को जरूरी जानकारी प्रदान करेगा और तीसरा दुर्घटनास्थल पर मौजूद रहेगा।

ऑटोमेटिक तकनीक से लैस

पेट्रोलिंग रोबोट में ऑटोमेटिक नेविगेशन तकनीक होगी। यह कार की रजिस्ट्रेशन प्लेट को पहचान सकेगा और गाड़ी की तस्वीरें खींच सकेगा। यह रोबोट ट्रैफिक तोड़ने वाले लोगों को मौखिक चेतावनी देगा और तस्वीरें खींचेगा। लोगों को जानकारी देने वाले रोबोट को व्हीकल मैनेजिंग ब्यूरो में गश्त पर लगाया गया है। यह उन लोगों को जानकारी प्रदान करेगा जो ब्यूरो में ट्रैफिक संबंधी जानकारी और घटनाओं के बारे में जानने के लिए आते हैं। रोबोट के सामने लगी डिस्प्ले स्क्रीन के जरिए लोगों को जानकारी दी जाएगी।

रोबोट में डाटाबेस भी फीड किया जाएगा, जिसकी मदद से वह किसी भी संदिग्ध या वांछित व्यक्ति की पहचान कर प्रशासन को सतर्क करेगा। एक्सीडेंट रोबोट सबसे छोटा है। इस छोटे रोबो को इस तरह प्रोग्राम किया गया है ताकि वो किसी भी दुर्घटनास्थल पर व्यवस्था बनाए रखने में मदद कर सकें और इंसानी पुलिस अफसरों को दुर्घटना के बारे में सारी जानकारी भेजे।

बिग डाटा तकनीक से लैस

हनदान की रोबो पुलिस बिग डाटा तकनीक से लैस है। यह पहल चीन की सरकार ने की है। बिग डाटा तकनीक को नेशनल सर्विलांस सिस्टम से समर्थन प्राप्त है। इसमें 20 करोड़ एआई आधारित स्ट्रीट कैमरे भी शामिल हैं। इस सर्विलांस सिस्टम का उद्देश्य चीन के 1.4 अरब लोगों में से किसी की भी पहचान तीन सेकेंड के अंदर करना है। चीन ने 2016 से ही जनता की सुरक्षा के लिए रोबोट का इस्तेमाल करना शुरू कर दिया था। पहले रोबो अफसर एनबोट को शेंजान अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर सुरक्षा जांच के लिए लगाया गया था। यह दुनिया के सबसे व्यस्ततम हवाईअड्डों में से एक है।

एग्जाम देने के लिए नींद से नहीं जागा लड़का, तो दादी ने बुला दी पुलिस और फिर...

थाईलैंड: ये बात तो सच है कि एग्जाम के दिनों में नींद बहुत शानदार आती है. ऐसी नींद कि पलक झपके तो फिर अगले दिन ही आंख खुले और यही बात घरवालों को गुस्सा दिलाती है. मानो एग्जाम के दौरान सोने की हिम्मत कैसे की! इस वजह से कई माता-पिता या घर में मौजूद बड़े लोग बच्चों को जगाए रखने की नई-नई तरकीबें अपनाते रहते हैं. लेकिन क्या हो जब बच्चों को जगाने के लिए पुलिस का सहारा लेना पड़े.

जी हां, थाईलैंड के घर में दादी-पोता रहते थे. इस लड़के को एग्जाम के दिन दादी ने कई बार उठाने की कोशिश की. लेकिन ये लड़का बड़े ही आराम से खर्राटे मारकर सोता रहा. परेशान दादी अपने पोते को जगाने में नाकाम रहीं. फिर क्या था, दादी को आया गुस्सा और उन्होंने पुलिस को फोन घुमा दिया. पुलिस ऑफिसर घर में आया और देखा तो ये लड़का घोड़े बेचकर सो रहा है. पुलिस ने लड़के को उठाया. उससे बात कि और बताया कि इस उम्र में पढ़ाई कितनी जरूरी है. लड़के ने पुलिस की बात मानी और एग्जाम देने के लिए उठा. दादी ने ही इसे तैयार किया और नया पेन भी दिया. पुलिस ऑफिसर ने लड़के अपने स्कूटर पर बिठाया और उसे स्कूल तक छोड़ने गया. बता दें, सोशल मीडिया पर दादी-पोते की ये फोटोज वायरल हो रही हैं. इन तस्वीरों को 9 हजार से ज्यादा बार शेयर किया जा चुका है.

न्यूयॉर्क की सड़कों पर उतारी गईं Driverless टैक्सी

सेल्फ ड्राइविंग कंपनी ऑप्टिमस राइड ने न्यूयार्क में छह सेल्फ ड्राइविंग यानी स्वचालित टैक्सियां उतारी हैं। यह गाड़ियां न्यूयॉर्क सिटी के ब्रुकलिन नेवी यार्ड में शुरू की गई हैं। यह स्वचालित गाड़ियों का अब तक का सबसे बड़ा परीक्षण होगा। कंपनी के अनुसार यह छह स्वचालित गाड़ियां यात्रियों को सिर्फ नेवी यार्ड की निजी सड़कों पर एक जगह से दूसरी जगह ले जाएंगी। इसके अलावा न्यूयॉर्क फेरी के यात्रियों को डॉक 72 से फ्लैशिंग एवेन्यू के गेट तक ले जाने के लिए स्वचालित गाड़ियों की सुविधा दी जाएगी। सुरक्षा के लिए दो कर्मी मौजूद : इन गाड़ियों को शाम 7 बजे से लेकर रात 10 बजे तक चलाया जाएगा। हालांकि, इन गाड़ियों में दो सेफ्टी अटेंडेंट भी मौजूद होंगे। एक अटेंडेंट ड्राइवर की सीट पर होगा, ताकि आपात स्थिति में गाड़ी को नियंत्रित कर सके और दूसरा अटेंडेंट यात्री की सीट पर होगा, जो गाड़ी के प्रदर्शन की समीक्षा करेगा। फिलहाल ये यात्राएं मुफ्त होंगी, क्योंकि कंपनी को पहले राउंड के परीक्षण के लिए 1.8 करोड़ डॉलर की फंडिंग मिली है। साथ ही कंपनी ने नेवी यार्ड के साथ भी एक अनुबंध साइन किया है।

कैलिफोर्निया में भी हो रहा परीक्षण : ऑप्टिमस ने कहा कि वह हर रोज 500 यात्रियों को स्वचालित गाड़ियों की सुविधा देगी। साथ ही इस इलाके में मौजूद 10,000 कर्मचारियों को भी इसकी सुविधा मिलेगी। इस पायलट प्रोजेक्ट की घोषणा इस साल की शुरूआत में की गई थी और यह बिल्कुल उसी प्रोजेक्ट की तरह है जो कंपनी द्वारा कैलिफोर्निया के पैराडाइज वैली स्टेट्स में चलाया जा रहा है। ऑप्टिमस की पूर्ण स्वचालित गाड़ियां पहली ऐसी कमर्शियल गाड़ियां हैं जो न्यूयॉर्क की सड़कों पर दौड़ती हुई दिखाई दे रही हैं। इससे पहले भी कंपनियों ने स्वचालित गाड़ियों का परीक्षण किया है। इनमें जर्मन कंपनी ऑडी की गाड़ी और कैडिलैक शामिल है। इनका भी परीक्षण सफल रहा था, लेकिन यह एक राइड तक की चल सकी थीं। न्यूयॉर्क में पहली बार इतने बड़े पैमाने पर स्वचालित गाड़ियों का परिचालन किया जाएगा। यहां इन गाड़ियों का परीक्षण करने के लिए स्टेट व्हीकल मोटर डिपार्टमेंट से पहले अनुमति लेनी पड़ती है। **स्वचालित गाड़ियों की तकनीक बेहतर :** ऑप्टिमस को स्वचालित गाड़ियों का परीक्षण करने की अनुमति इसलिए दी गई क्योंकि ब्रुकलिन नेवी यार्ड एक निजी औद्योगिक इलाका है जो 300 एकड़ की निजी प्रॉपर्टी में फैला है। ऑप्टिमस राइड के सीईओ रेयान चिन ने कहा, ब्रुकलिन नेवी यार्ड मंस स्वचालित गाड़ियों का परीक्षण इस बात का सबूत है कि ऑप्टिमस की स्वचालित तकनीक बेहद क्षमतावान और सुरक्षित है। यह रोजमर्रा की कई जरूरतों को आसानी से पूरा कर सकती हैं।

ऑस्ट्रेलिया में एक साल में 22 पुरुषों ने दिया बच्चों को जन्म

ऑस्ट्रेलिया में पिछले साल 22 पुरुषों ने गर्भधारण करने के बाद बच्चों को जन्म दिया है। जन्म देने वालों में से सभी 22 पुरुष ट्रांसजेंडर हैं। इन पुरुषों का नाम उन 228 पुरुषों की लिस्ट में शामिल हो गया है, जिन्होंने पिछले 10 साल में बच्चों को जन्म दिया था। डिपार्टमेंट ऑफ ह्यूमन सर्विस ने बर्थ रेट से संबंधित डेटा जारी किया है। इससे पहले 2009 तक इस बारे में कोई आधिकारिक जानकारी या आंकड़ा सामने नहीं आया था। दरअसल, सेक्स चेंज(जेंडर चेंज) से मर्द बनने के बाद भी बच्चे को जन्म देने के मामले सामने आने के बाद कुछ लोगों ने इसे मर्दानगी पर सवाल करार दिया है। लोगों का कहना है कि यदि कोई पुरुष बच्चे को जन्म देता है तो वह असल में कभी मर्द हो ही नहीं सकता।

इस बारे में ऑस्ट्रेलिया की मोलाबार्न यूनिवर्सिटी के एक प्रोफेसर का कहना है- मर्दानगी का मतलब हर किसी के लिए अलग होता है। संभव है कि जिसने सेक्स चेंज ऑपरेशन करवाया हो, वह इस बारे में सोचता हो। लेकिन उसके सोचने का तरीका उतना रूढ़िवादी न हो जैसा अन्य लोगों का होता है। उसे शायद बच्चे को जन्म देने में कोई दिक्कत नहीं है न ही वह इसे मर्दानगी पर सवाल मानता है। सबको अपनी तरह से जीने का अधिकार है। प्रोफेसर ने सलाह दी कि अब समय आ गया है कि समाज जेंडर को लेकर अपनी सोच बदलें।

बैंकॉक से तस्करी कर लगाया गया 3 करोड़ का सोना दिल्ली एयरपोर्ट पर पकड़ा

दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय (आईजीआई) एयरपोर्ट पर लाल रंग की टेप में लपेटकर 2.93 करोड़ का सोना लाने वाले दो तस्करों को कस्टम विभाग ने बुधवार को धर दबोचा। दोनों आरोपी भारतीय हैं और बैंकॉक से सोना लाए थे। दोनों पिछले डेढ़ साल में विदेशों से भारत में 16.80 करोड़ रुपये कीमत का करीब 60 किलो सोना ला चुके हैं। सुरक्षा एजेंसियों को इनकी कई माह से तलाश थी। अब इनकी निशानदेही पर उत्तरी, मध्य और दक्षिणी दिल्ली में छापेमारी की जा रही है। कस्टम विभाग के मुताबिक, बुधवार को गुप्त सूचना मिली कि सोना तस्करी में शामिल दो तस्कर टर्मिनल 3 पर पहुंचने वाले हैं। सूचना पर कस्टम विभाग की टीम ने बैंकॉक से आई फ्लाइट संख्या टीजी 315 से उतरे दो संदिग्धों के हैंडबैग की गहनता की। इस दौरान बैग से सोने के 12 टुकड़े मिले, जिन्हें लाल रंग की टेप में लपेटा गया था। अब आरोपियों से पूछताछ के आधार पर इनसे सोना खरीदने वालों की तलाश में छापेमारी की जा रही है।

पड़ोसन से झगड़ा हुआ तो महिला को कुत्ते से कटवा दिया, अस्पताल में भर्ती

दिल्ली के न्यू अशोक नगर में एक महिला ने अपनी पड़ोसन को अपने पालतू कुत्ते से कटवा दिया, जिसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आरोपी महिला को अपनी पड़ोसन से विवाद चल रहा है, इस वजह से उसने यह हरकत की। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस केस दर्ज कर जांच कर रही है। 46 वर्षीय पीड़िता मनीषा सेठी न्यू अशोक नगर के वसुंधरा एंक्लेव स्थित मोड़ अपार्टमेंट में रहती हैं। बुधवार सुबह 11:25 बजे किसी ने उनके फ्लैट की घंटी बजाई। वह दरवाजा खोलकर देखने लगी। तभी उन्होंने कुत्ते के साथ पड़ोस के फ्लैट में रहने वाली महिला को देखा, जिससे उनका पुराना विवाद है। आरोप है कि महिला ने अपना पालतू कुत्ता उन पर छोड़ दिया। कुत्ते ने उन्हें शरीर पर कई जगह काट लिया। शोर सुनकर वहां पहुंचे दोस्तों और पड़ोसियों ने मनीषा को बचाया। इस दौरान पड़ोसी महिला हंसते हुए बोली कि डरने की बात नहीं है, कुत्ता वैक्सीनेटेड है। घायल महिला को राम मनोहर लोहिया अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस को जांच में पता चला कि दोनों परिवार के बीच विवाद चल रहा है।

छावला थाने में तैनात महिला कांस्टेबल ने की खुदकुशी, जानें कारण

दिल्ली : राजधानी दिल्ली के छावला इलाके में दिल्ली पुलिस की एक महिला कांस्टेबल ने अपने घर में फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। महिला सिपाही की पहचान ललिता के रूप में हुई है। ललिता के भाई का कहना है कि वह ब्रेस्ट कैंसर से पीड़ित थी, इस कारण तनाव में थीं। 28 वर्षीय ललिता छावला के दुर्गा विहार के दाताराम पार्क स्थित गली नंबर-11 में किराए पर रहती थी। यह मकान उसकी साथी महिला पुलिसकर्मी का है। ललिता की वर्ष 2013 में शादी हुई थी, लेकिन शादी के कुछ दिन बाद ही पति से अनबन होने पर वह अलग रहने लगी। ललिता की तैनाती छावला थाने में थी। बुधवार रात जब वह ड्यूटी पर नहीं आई तो थाने से उसे फोन किया गया, मगर उसने फोन नहीं उठाया। इसके बाद थाने से एक महिला पुलिसकर्मी को उसके कमरे पर भेजा गया। मगर काफी देर तक दरवाजा बजाने पर किसी ने नहीं खोला तो रात 11:15 बजे पुलिस मौके पर पहुंची और दरवाजा तोड़कर अंदर देखा तो ललिता का शव बाथरूम में वेंटिलेटर के सहारे फंदे से लटक रहा था।

पति ने पत्नी से अवैध संबंध के शक में कर दी मौसा की हत्या, पुलिस को सुनाई ये कहानी

दिल्ली – पंजाबीबाग में पत्नी से अवैध संबंध के शक में युवक ने उसके मौसा के सिर पर हथौड़ा मारकर हत्या कर दी। आरोपी ने पुलिस को करंट लगने से मौत होने की बात कह गुमराह करने का प्रयास किया था। हालांकि, पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मामला खुला गया और पुलिस ने आरोपी को बुधवार रात गिरफ्तार कर लिया। डीसीपी मोनिका भारद्वाज ने बताया कि 5 अगस्त की रात पंजाबीबाग पुलिस को मेडिकल उपकरण की मरम्मत करने वाली कंपनी में एक व्यक्ति की करंट से मौत की सूचना मिली। मृतक की पहचान महरौली निवासी शकील अहमद (45) के रूप में हुई। मौके पर मौजूद कंपनी के कर्मचारी नौशाद आलम (31) ने पुलिस को बताया कि शकील उसकी पत्नी का मौसा था।

घटना के समय वह गुटखा खाने के लिए नीचे गया था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से खुलासा हुआ कि शकील की मौत सिर पर भारी चीज से हमला करने से हुई है। इसके बाद पुलिस ने नौशाद से सख्ती से पूछताछ की तो उसने हत्या की बात कबूल ली।

अवैध संबंध छिपाने के लिए हुई थी युवक की हत्या

नोएडा : फेज तीन थाना पुलिस ने हत्या कर युवक का शव नाले में फेंकने वाले वांछित अपराधी को गुरुवार रात को ममूरा चौक से गिरफ्तार किया है। आरोपी ने खुलासा किया कि अवैध संबंधों के चलते करंट लगाकर युवक की हत्या की थी। पुलिस ने उसे कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया। 12 फरवरी 2019 को सेक्टर-63 के नाले में बोरे में एक युवक का शव मिला था। दो दिन बाद उसकी पहचान जिला बस्ती के गांव शंकरपुर निवासी शशांक शेखर पाठक उर्फ अतुल के रूप में हुई थी। शशांक सेक्टर-63 में दोने बनाने वाली फैक्टरी में काम करता था। मृतक के भाई अमलेन्द्र प्रकाश के बयान पर धर्मेंद्र और एक अन्य के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कराया गया था। तभी से आरोपी धर्मेंद्र फरार था। पुलिस ने गुरुवार रात आठ बजे आरोपी को ममूरा चौक से गिरफ्तार किया। थाना प्रभारी ने बताया कि मूलरूप से बिहार के मोतीहारी के गांव लक्ष्मीपुर निवासी धर्मेंद्र ने खुलासा किया कि उसके एक महिला के साथ अवैध संबंध थे। शशांक ने उसे महिला के साथ देख लिया था। अवैध संबंधों को छिपाने के लिए आरोपी ने करंट लगाकर शशांक की हत्या कर दी थी। इसके बाद उसके शव को नाले में फेंक दिया।

हाईस्पीड ट्रेनों के लिए 13491 करोड़ खर्च करेगा रेलवे

दिल्ली से हावड़ा और दिल्ली से मुंबई के बीच ट्रेन 160 किलोमीटर की रफ्तार से ट्रेन चलेगी। इसके लिए केंद्र सरकार ने करीब 13 हजार करोड़ रुपए की मंजूरी दी है। इससे दिल्ली और हावड़ा के बीच सफर का समय करीब 5 घंटे कम हो जाएगा, जबकि दिल्ली से मुंबई पहुंचने में साढ़े 3 घंटे कम समय लगेगा। रेलवे ने इन दोनों रूटों पर ट्रेनों की स्पीड बढ़ाने के लिए अपने 100 दिन के एजेंडे में प्लान बनाया था। दिल्ली-हावड़ा रूट पर कानपुर और लखनऊ दोनों लाइनों को दुरुस्त किया जाएगा। इस पर रेलवे करीब 6685 करोड़ रुपए खर्च करने जा रहा है, जबकि दिल्ली-मुंबई रूट पर रेलवे 6806 करोड़ रुपए खर्च करने जा रहा है। ये दोनों ही काम 202223 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। ट्रेनों की स्पीड बढ़ाने के लिए इन रूटों पर फेंसिंग की जाएगी यानि ट्रैक को दोनों तरफ से घेर दिया जाएगा ताकि ट्रैक पर बाहर कोई न आ सके। इसके साथ ही सुरक्षा के लिहाज से ऑटोमैटिक ट्रेन प्रोटेशन सिस्टम, मोबाइल रेडियो कम्युनिकेशन सिस्टम लगाया जाएगा। इन दोनों रूट्स पर जो काम किया जाएगा उससे करीब 7 करोड़ श्रम दिवस का रोजगार भी पैदा होगा। एक बार इन दो रूट्स पर 160 की स्पीड में ट्रेन चलने के बाद रेलवे की योजना पूरे गोल्डन क्वाड्रिलेट्रल और उसके डायगोनल पर ट्रेनों को 160 की स्पीड में चलाने के लिए काम करेगा। यानि दिल्ली,

मुंबई, चेन्नई और कोलकाता को आपस में जोड़ने वाले सभी रूट्स पर ट्रेनों की अधिकतम स्पीड 160 कर दी जाएगी। खास बात ये है कि गोल्डन क्वाड्रिलेट्रल और उसके डायगोनल पर रेलवे के महज 16% ट्रैक बिछे हुए हैं लेकिन इन रूटों पर रेलवे के 52% मुसाफिर सफर करते हैं, जबकि 60% मालगाड़ियां इसी ट्रैक पर चलती हैं।

रही है नई शुरूआत

जैसी कि उम्मीद थी, प्रधानमंत्री का राष्ट्र के नाम संबोधन जम्मू-कश्मीर को लेकर किए गए ऐतिहासिक एवं निर्णायक बदलावों पर ही केंद्रित रहा। चूंकि अनुच्छेद 370 और 35-ए हटाने के बाद जम्मू-कश्मीर और साथ ही लद्दाख में एक नई शुरूआत होने जा रही है इसलिए यह समय की मांग थी कि खुद प्रधानमंत्री जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के साथ-साथ देश के लोगों से सीधे अपनी बात कहते। यह अच्छा हुआ कि उन्होंने वक्त की यह मांग पूरी की। राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में उन्होंने यह सही कहा कि एक सपने को पूरा करके एक नई शुरूआत होने जा रही है। इस क्रम में उन्होंने यह रेखांकित करके बिल्कुल सही किया कि यह प्रश्न दशकों से अनुत्तरित ही था कि आखिर अनुच्छेद 370 से जम्मू, कश्मीर और लद्दाख के लोगों को क्या लाभ मिल रहा था? इस सवाल का जवाब कम से कम उन्हें अवश्य देना चाहिए जो अनुच्छेद 370 हटाने और राज्य के पुनर्गठन का विरोध कर रहे हैं? उन्हें बताना चाहिए कि वे भेदभाव भरे और अलगाव को बल देने वाले उस प्रावधान की वकालत क्यों कर रहे हैं जो इस राज्य के दलितों और आदिवासियों के अधिकारों पर कुठाराघात करने के साथ ही राज्य के बाहर के लोगों से विवाह करने वाली युवतियों के अधिकारों का हनन करता था? ऐसे लोगों को प्रधानमंत्री की ओर से इंगित की गई उस विसंगति पर भी कुछ कहना चाहिए जिसके चलते राज्य के तमाम लोगों को विभिन्न चुनावों में वोट देने का अधिकार नहीं था। प्रधानमंत्री ने देशवासियों को बल और संबल देने वाले अपने संबोधन में यह स्पष्ट करके तमाम अंदेशों को खत्म करने का ही काम किया कि जम्मू-कश्मीर को केवल कुछ कालखंड के लिए केंद्र के अधीन रखने का फैसला वहां के हालात सुधारने, भ्रष्टाचार एवं आतंकवाद पर लगाम लगाने, विकास और रोजगार निर्माण को गति देने के इरादे से किया गया है।

दिल्ली में नीरज बवानिया गैंग के नौ बदमाश गिरफ्तार, हथियार बरामद

दिल्ली पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है. पुलिस ने रोहिणी जिले में नीरज बवानिया गैंग के 9 बदमाशों को गिरफ्तार किया है. इनके पास से पुलिस को भारी मात्रा में असलहे मिले हैं. इसके साथ ही तीन लग्जरी गाड़ियां भी बरामद की गई हैं. पुलिस की मानें तो गिरफ्तार किए गए सभी बदमाश कई वारदातों को अंजाम दे चुके हैं. गिरफ्तार किए गए बदमाशों की तलाश पुलिस को लंबे वक्त से थी. इन बदमाशों ने लूट और चोरी की कई घटनाओं को अंजाम दिया है. कुख्यात अपराधी नीरज बवानिया तिहाड़ जेल में बंद है. नीरज बवानिया गैंग दिल्ली में काफी सक्रिय है और पुलिस को इस गैंग के सदस्यों की हमेशा से तलाश रही है. नीरज बवाना गैंग दिल्ली में अपराध, फिरौती, चोरी और लूट की कई वारदातों को अंजाम देता है. इस गैंग के सदस्यों के संबंध में पूरी जानकारी खुद दिल्ली पुलिस को भी नहीं है. बताया जाता है कि नीरज बवानिया गैंग के सदस्यों के तार

आगरा में मॉब लिंचिंग पर 200

आगरा - देशभर में मॉब लिंचिंग के मामले थमने का नाम नहीं ले रहे हैं. इस बीच, उत्तर प्रदेश पुलिस ने आगरा में मॉब लिंचिंग में 200 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है. इन पर आरोप है कि एक व्यक्ति के बच्चा चोर होने के संदेह में उसकी पिटाई की गई थी. आगरा में मंगलवार को मॉब लिंचिंग हुई थी, लेकिन बुधवार को जब मारपीट का वीडियो फुटेज सामने आया तो पुलिस ने इस मामले में संज्ञान लिया. आगरा सर्कल ऑफिसर (सदर) विकास जायसवाल ने बताया कि 200 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है. उन्होंने कहा कि पुलिस घटना के वीडियो फुटेज की मदद से आरोपियों की पहचान की जा रही है.

पुलिस का कहना है कि आरोपी लोगों की पहचान होने के बाद गिरफ्तारी होगी. विकास जायसवाल ने कहा कि स्थानीय पुलिस इस संबंध में निवासियों के बीच जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रयास कर रही है. बच्चे को उठाने की घटनाओं से संबंधित किसी भी गतिविधि के मामले में लोगों को पुलिस को जानकारी देने के लिए कहा जा रहा है.

बच्चा चोरी के संदेह पर बुधवार को मॉब लिंचिंग की यह घटना आगरा जिले में होने वाली दूसरी ऐसी घटना थी. पुलिस ने इससे पहले एक 60 वर्षीय मानसिक विक्षिप्त महिला की बच्चा चोर होने के संदेह में पिटाई करने के आरोप में 9 युवकों को गिरफ्तार किया था. बता दें ऐसी ही घटना बिहार के दानापुर के रूपसपुर से सामने आई थी, जहां बच्चा चोरी के आरोप में तीन लोगों को पिटाई कर दी थी. भीड़ ने लोगों को इतना पीटा कि एक शख्स की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो लोग बुरी तरह से घायल हैं. घायलों को इलाज के लिए अनुमंडल अस्पताल दानापुर में भर्ती कराया गया, जबकि पुलिस ने मृत शख्स के

पहलू खान लिंचिंग केस: सुनवाई पूरी, 14 अगस्त को आ सकता है फैसला

राजस्थान के पहलू खान मॉब लिंचिंग मामले में 14 अगस्त को फैसला आने की उम्मीद है. एडीजे कोर्ट नंबर-1 की जज डॉ. सरिता स्वामी ने पहलू खान मॉब लिंचिंग मामले का फैसला सुनाने के लिए 14 अगस्त की तारीख मुकर्रर की है. अलवर के बहरोड़ में जयपुर-दिल्ली राजमार्ग पर 1 अप्रैल, 2017 को पहलू खान को पीट-पीटकर मार डाला गया था. खान अपने बेटों के साथ जयपुर के एक मेले से मवेशियों को खरीद कर हरियाणा के नूह स्थित अपने घर ला रहा था. यहां भीड़ ने उसकी जमकर पिटाई की थी. जिसके बाद पुलिस ने भीड़ से छुड़ाकर बहरोड़ के कैलाश अस्पताल में भर्ती कराया था. हालांकि, इलाज के दौरान पहलू खान की 4 अप्रैल 2017 को मौत हो गई थी. सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर पहलू खान मॉब लिंचिंग मामले को बहरोड़ से एडीजे कोर्ट नंबर-1 अलवर में ट्रांसफर कर दिया गया था. जिसके बाद इस मामले में नियमित सुनवाई हुई. कोर्ट में जज डॉ. सरिता स्वामी ने गुरुवार को दोनों पक्षों की दलीलों को सुना. इसके बाद जज स्वामी ने मामले में फैसले को सुरक्षित रख लिया. भीड़ द्वारा की गई पिटाई के बाद मौत के मामले में कोर्ट 14 अगस्त को अपना फैसला सुना सकता है. अपर लोक अभियोजक योगेंद्र खटाणा ने बताया कि 2 अप्रैल 2017 को बहरोड़ थाने में मुकदमा दर्ज हुआ था. इस मामले में पुलिस ने धारा 147, 323, 341, 308, 379, 427 और 302 आईपीसी में मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी. जांच के बाद पुलिस ने कोर्ट में विपिन, रविन्द्र, कालूराम, दयानंद और योगेश कुमार के खिलाफ 31 मई 2017 को चार्जशीट पेश की थी. इसके बाद पुलिस ने दीपक गोलियां और भीमराठी को भी आरोपी मानते हुए 173(8) के तहत सप्लीमेंट्री चार्जशीट दाखिल की थी.

टीवी ऐक्ट्रेस ने बेटी की हत्या कर खुद लगा ली फांसी

ठाणे : महाराष्ट्र के ठाणे शहर में एक महिला ने पहले अपनी बेटी की हत्या की और फिर खुदकुशी कर ली। कलवा पुलिस मामले की जांच कर रही है। महिला ने ऐसा क्यों किया, इसका अभी पता नहीं चल सका है। पुलिस ने घर से एक सूइसाइड नोट जब्त किया है। इसमें महिला ने बेटी की हत्या कर आत्महत्या करने और किसी को इसके लिए जिम्मेदार न ठहराने की बात लिखी है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। प्रज्ञा पारकर (40) अपने पति प्रशांत पारकर तथा बेटी श्रुति (18) के साथ मनीषा नगर की गौरी सुमन इमारत में रहती थी। प्रज्ञा छोटे-मोटे मराठी टीवी सीरियलों में काम करती थी। प्रशांत पारकर निजी एक्सपोर्ट-इंपोर्ट कंपनी में कार्यरत हैं। श्रुति बारहवीं में पढ़ती थी। रोज की तरह शुक्रवार की सुबह 7.30 बजे प्रशांत पारकर जिम गए थे। वे 9.30 बजे जब वापस घर लौटे तो काफी देर तक घर का दरवाजा नहीं खुला। चाबी बनाने वाले को बुलाकर दरवाजा खोला गया तो भीतर पत्नी और बेटी का शव पड़ा था।

दाभोलकर मर्डर: ठाणे की खाड़ी में हथियार ढूंढेगी विदेशी एजेंसी

मुंबई : अंधश्रद्धा निर्मूलन समिति के संस्थापक डॉ. नरेंद्र दाभोलकर की हत्या में इस्तेमाल हथियार का पता लगाने में विदेशी एजेंसी केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की मदद करेगी। शुक्रवार को सीबीआई ने बॉम्बे हाई कोर्ट में बताया कि हत्या में इस्तेमाल हथियार का पता लगाने के लिए विदेशी जांच एजेंसी को मदद के लिए बुलाया गया है।न्यायमूर्ति एस.सी. धर्माधिकारी और न्यायमूर्ति जी.एस. पटेल की पीठ के समक्ष दाभोलकर और दिवंगत वामपंथी नेता गोविंद पानसरे के परिजनों की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई हुई। इस दौरान सीबीआई के वकील एवं अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल अनिल सिंह ने पीठ को बताया कि विदेशी एजेंसी के विशेषज्ञ रविवार को भारत पहुंचेंगे। जांच पूरी करने में 30 दिन का समय लगेगा। उन्होंने आशंका जताई कि हत्यारों ने हत्या के बाद हथियार ठाणे की खाड़ी में फेंक दिया होगा। इसीलिए सोमवार से विदेशी एजेंसी की मदद से ठाणे की खाड़ी में तलाशी अभियान शुरू होगा।

मुद्रक, प्रकाशक - मंजू दीनानाथ तिवारी, स्वामी एवं संपादक- दीनानाथ एम. तिवारी द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस गाला नं.3-4, अमीन इंडस्ट्रीयल इस्टेट, सोनावाला क्रॉस रोड नं.2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई- 63 से मुद्रित तथा जय बजरंगबली चाल कमेटी, गांधी नगर, कुरार विलेज, मालाड (पूर्व), मुंबई-97 से प्रकाशित। संपादक- दीनानाथ एम. तिवारी Mob. : 9004162915 / 70391 43986
RNI.No.:MAHHIN/2009/35355 संपर्क : टेलीफैक्स 022-29656280, मो. 9821287905, 9322248353-9167009629 Email : metrodinank@gmail.com